हे मंगल की मूल भवानी, शरणा तेरा है ::><::!

हे मंगल की मूल भवानी, शरणा तेरा है |
तेरा है शरणा, तेरा है आसरा तेरा है ||

मैया है ब्रह्मा की पुत्री, लेकर ज्ञान स्वर्ग से उतरी |
आज तेरी कथा बना देई सुथरी, प्रथम मनाया है || हे मंगल ||

मैया तेरा भवन बन्या जाली का, हार गूँथ ल्याया है माली का |
हो ध्यान धर कलकत्ते वाली का, पुष्प चढ़ाया है || हे मंगल ||

मैया महिषासुर को मारया, आपने बल से धरण पछाडया |
हो हाथ लिए खांडा दुधारा, असुर संहार्या है ||

कहता शंकर जाटौली वाला, हरदम रटे गुराजी जी की माला |
हो खोल मेरे ह्रदय का ताला, विद्या वर पाया है ||

बोल महिषासुर मर्दिनी मैया की जय....
बोल शंकर भगवान की जय....
बोल नाथजी महाराज की जय .